RAMAKRISHNA MISSION
SHILLONG

Language : Hindi GROUP : C Class : V - VI

Date: 1 JUL 2018 Time : **1.00 P.M**

श्रद्धा

स्वामी विवेकानन्द

बचपन से हमारी शिक्षा ही ऐसी रही है, उसमें निषेध और नकार का ही प्रबल्य है। हमने यही तो सीखा है की हम नगन्य हैं, नाचीज हैं। कभी भी हमें यह नहीं बताया गया की हमारे देश में भी महान् पुरुषों का जन्म हुआ है। हमें एक भी तो अच्छी बात नेहीं सिखायी जाती। हमें हमारे हाथ-पैर चलाना तक तो नहीं आता ! हमें इंग्लेण्ड के इतिहास की तो एक-एक घटना-तिथि याद हो जाती है, पर दु:ख है, हमारे देश के गोरबमय अतीत से हम अनभिज्ञ ही रहते हैं। हम केवल निर्बलता का पाठ पढ़ते हैं। परतन्त्र और पराजीत राष्ट्र होनेसे, हमें अब यह विश्वास हो गया हैं कि हम शक्तिहीन और परावलम्लम्बी है, हम असमर्थ हैं और निकम्मे हैं। श्रद्धा और निष्ठा का ह्रास होने के सिवाय इसका और क्या परिणाम होगा ? अव हमें पुन: एक बार वह सच्ची श्रद्धा और निष्ठा का भाव जागृत करना होगा, हमारे सोये हुए आत्मविश्वास को जगाना होगा, तभी आज देश के सामने जो समस्याएँ हैं वे सुलझायी जा सकेंगी।